

6 पूर्वाग्रह भेदभाव के बिना एवं भेदभाव पूर्वाग्रह के बिना रह सकता है। *Prejudice can exist without discrimination and vice versa.* टिप्पणी करें।
 उत्तर- यद्यपि पूर्वाग्रह और भेदभाव साथ-साथ पाये जाते हैं तथापि भेदभाव के बिना पूर्वाग्रह और पूर्वाग्रह के बिना भेदभाव अस्तित्व में रह सकते हैं। जैसे कोई व्यक्ति एक ही जाति के लोगों के प्रति पूर्वाग्रह रख सकता है, परन्तु संभव है उक्त व्यक्ति एक ही जाति के लोगों के प्रति भेदभाव न करे। उसी तरह यदि कोई व्यक्ति भेदभाव रखता है, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि वह पूर्वाग्रह रखता नहीं है।

7 अभिवृत्ति और व्यवहार किस प्रकार संबंधित हैं ? स्पष्ट करें।

How are attitude and behaviour related ? Clarify.

- उत्तर- अभिवृत्ति एवं व्यवहार के बीच सम्बन्ध को निम्न प्रकार व्यक्त किया जा सकता है-
- शांताजी की तरह पर यह मान्यता है कि किसी व्यक्ति की अभिवृत्ति के बारे में यदि हमें जानकारी है तो उसके व्यवहार का पूर्वानुमान कर सकते हैं। आधुनिक व्यवहारशास्त्र का भी विचार था कि अभिवृत्ति एवं व्यवहार के बीच सीधा सम्बन्ध होता है। आधुनिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि अभिवृत्ति एवं व्यवहार के बीच सीधा सम्बन्ध होता है। परन्तु आधुनिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि अभिवृत्ति एवं व्यवहार का संबंध दुर्बल ढंग से करती है।
 - अभिवृत्ति जो व्यवहार के बीच आवश्यक रूप से होगी, यह जरूरी नहीं। दोनों के व्यवहार का दूसरों द्वारा प्रेक्षण किया जा रहा हो, जब अभिवृत्तियाँ प्रयत्न हैं तब जब व्यक्ति अपनी अभिवृत्ति के बारे में सचेत हो।
 - अभिवृत्ति व्यवहार का एक मुख्य निर्धारक है। जैसे परमाणु बम के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखने वाला व्यक्ति परमाणु सम्पन्न राष्ट्र बनाने के समर्थन में सरकार के निर्णय की सराहना करेगा, जबकि वे लोग, जो परमाणु बम के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं, वे किसी न किसी ढंग से इसका विरोध करेंगे।

8 अभिवृत्ति परिवर्तन के संचार संबंधी कारकों का उल्लेख करें।
Mention the communication related factors of attitude change.

उत्तर- मान लेते हैं कि किसी शिक्षक को अपनी कक्षा में छात्रों की सनवयवों के साथ सीखने के पक्ष में अभिवृत्ति में परिवर्तन लाना है। इसमें संचार संबंधित निम्नांकित कारक प्रमुख भूमिका निभाएंगे-

- सूचना का विश्वसनीय स्रोत- किसी विश्वसनीय हवाले से सूचना दिए जाने पर व्यक्ति पर प्रभाव पड़ता है। जैसे किसी शोधकर्ता या शिक्षाविद के हवाले से दी गई सूचना अधिक प्रभावशाली होती है।
- दृढ़ वैचारिक आधार- शिक्षक को अपने विचार के पक्ष में दृढ़ आधार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना होगा।
- सम्प्रेषक का आकर्षण- शिक्षक का आकर्षक व्यक्तित्व भी छात्रों पर प्रभाव डालता है। जैसे यदि किसी वस्तु का प्रचार यदि कोई प्रिय अभिनेता कर रहा होता है तो लोगों को वह वस्तु अधिक पसन्द आएगी।

9 अभिवृत्तियाँ परिवर्तन में कौन से कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ?
What factors are responsible for attitude change ?

उत्तर- अभिवृत्ति निर्माण को प्रभावित करने वाले कारकों में प्रमुख हैं-

- परिवार या समुदाय- पुरस्कार एवं दंड के माध्यम से अभिवृत्ति के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

(ii) **संदर्भ समूह**— अध्यापक, पुलिसकर्मी, विक्रेता आदि हमारी अभिवृत्तियों को प्रभावित करते हैं।

(iii) **व्यक्तिगत अनुभव**— जीवन की सार्थक घटनाएँ तथा परिस्थितियाँ भी अभिवृत्ति निर्माण को प्रभावित करते हैं।

(iv) **संचार माध्यम**— संचार माध्यम वर्तमान समय में एक महत्वपूर्ण कारक है जो हमारे विचारों तथा अभिवृत्तियों को प्रभावित करता है।

10 धनात्मक और ऋणात्मक मनोवृत्ति में क्या अंतर है ?

What is the difference between positive and negative attitude ?

अथवा (Or), धनात्मक और ऋणात्मक मनोवृत्तियाँ क्या होती हैं ?

What is positive and negative attitudes ?

उत्तर— किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की विशेषताओं का धनात्मक मूल्यांकन एवं उस पर विश्वास धनात्मक मनोवृत्ति होती है। इनके प्रति ऋणात्मक मूल्यांकन ऋणात्मक मनोवृत्ति होती है। जैसे— किसी नेता या अभिनेता का धनात्मक मूल्यांकन होने पर कोई व्यक्ति उसके प्रति धनात्मक मनोवृत्ति रख सकता है, वहीं दूसरे व्यक्ति का मूल्यांकन उनके प्रति ऋणात्मक होगा तो उसकी मनोवृत्ति उस नेता या अभिनेता के प्रति ऋणात्मक हो सकती है।

किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति उनके प्रति व्यवहार को अनुकूल बनाती है। जिनके प्रति हमारी मनोवृत्ति ऋणात्मक होती है उनके प्रति प्रतिकूल व्यवहार प्रदर्शित होता है।

इसी प्रकार, किसी कार्य के प्रति धनात्मक मनोवृत्ति होने पर हम उस कार्य को पूरे उत्साह के साथ करते हैं तथा जिस कार्य के प्रति हमारी मनोवृत्ति ऋणात्मक होती है, उस कार्य को नहीं करना चाहते हैं।